विषय हिंदी कक्षा नौवीं

'पंजाब स्कूल शिक्षा विभाग' द्वारा निर्धारित व्याकरण पुस्तक के अनुरूप

अप्रैल के पाठ्यक्रम के अनुसार

उपविषय :- अनुच्छेद लेखन

परिचय :- अनुच्छेद-लेखन गद्य की एक विधा है। जब किसी सूक्ति, विचार, घटना, दृश्य अथवा विषय को संक्षिप्त किन्तु सुसंगठित एवं सारगर्भित ढंग से लिखा जाता है, उसे 'अनुच्छेद-लेखन' कहते हैं ।

' अनुच्छेद और निबंध में अंतर '

निबंध और अनुच्छेद में वही अंतर है जो नाटक और एकांकी तथा उपन्यास और कहानी में है। निबंध में विषय से सम्बन्धित विचारों को समग्र रूप से बाँधा जाता है, वहीं अनुच्छेद में विषय को संतुलित एवं सटीक रूप से प्रस्तुत किया जाता है। छोटे-छोटे वाक्य एवं कसी हुई रचना- अनुच्छेद लेखन की मुख्य विशेषताएँ हैं।

अनुच्छेद लेखन की विशेषताएँ

1. अनुच्छेद लेखन में शुरू से अंत तक एक ही अनुच्छेद होना चाहिए।

2. अनुच्छेद-लेखन में भूमिका या उपसंहार की आवश्यकता नहीं होती। अतः सीधे विषय से ही शुरू करना चाहिए।

3. अनुच्छेद में यदि शब्दों की सीमा निर्धारित की गई है तो अनुच्छेद उसी के आस-पास होना चाहिए।

4. अनावश्यक विस्तार से बचना चाहिए।

5. अनुच्छेद-लेखन में एक वाक्य का दूसरे से सम्बन्ध होना चाहिए। इससे बड़ी सरलता से विषय स्पष्ट हो जाता है।

6. भाषा विषय के अनुरूप होनी चाहिए। यदि विषय विचार प्रधान है तो उसमें तर्क अधिक होना चाहिए। यदि अनुच्छेद भावात्मक है तो उसमें अनुभूति की प्रधानता होनी चाहिए।

7. अनुच्छेद के विषय सरल, रुचिपूर्ण तथा आसपास की घटनाओं से संबंधित होने चाहिए।

8. अनुच्छेद की हर बात व्यवस्थित एवं क्रमबद्ध होनी चाहिए।

अनुच्छेद - नए स्कूल में मेरा पहला दिन

मैं नौवीं कक्षा का छात्र हूँ। मैंने इसी साल नए स्कूल में प्रवेश लिया है। इस स्कूल में पढ़ते हुए मुझे चार महीने हो गये हैं किंतु मुझे आज भी इस स्कूल में मेरा पहला दिन अच्छी तरह याद है। मेरे लिए यह एक बड़ा ही यादगार व रोमांचकारी था। मेरे पिता जी ने मुझे नयी किताबें, कॉपियाँ और बैग खरीदकर दिया। मैं बस में बैठकर स्कूल पहुँच गया। मैं पहली बार बस से स्कूल गया। मुझे बहुत अच्छा लगा। स्कूल पहुँचते ही हम कक्षा अध्यापक के साथ सुबह की प्रार्थना सभा में आ गए। वहाँ प्रिंसिपल ने नये विद्यार्थियों का स्वागत किया। उन्होंने हमें जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरणादायक बातें बतायीं। इसके बाद स्कूल के पुराने विद्यार्थियों ने नौवीं कक्षा में नए प्रवेश पाने वाले विद्यार्थियों को एक-एक पेन देकर स्वागत किया। उन्होंने हमें प्रयोगशालाएँ, पुस्तकालय, कम्प्यूटर का कमरा, स्टाफ रूम, कैंटीन, मेडीकल रूम आदि भी दिखाए। अर्धावकाश के समय मेरे कुछ नए मित्र बन गए। हम सभी ने मिलकर भोजन किया। खेल के पीरियड में मैंने फुटबॉल खेली। समय होने पर जब पूरी छुट्टी हुई तो हम पंक्तियों में बस में जा बैठे और हँसते-हँसते बातें करते घर आ गए। सचमुच, मैं आज भी वह दिन याद करके भाव-विभोर हो जाता हूँ।

शिक्षा विभाग पंजाब

सहयोगी :- पंकज माहर
जिला रिसोर्स पर्सन हिंदी
स. मॉ. सी. से. स्मार्ट स्कूल
लाडोवाली रोड
ज़िला - जालंधर।

लेखन एवं प्रस्तुति :-
सुनीता चोपड़ा, हिंदी शिक्षिका
स.क.सी.से.स्मार्ट स्कूल खुर्दपुर,
ज़िला - जालंधर।

संशोधक :-
हरीश नागपाल, हिंदी शिक्षक
सरकारी हाई स्कूल निज्जरां
ज़िला - जालंधर।